

'दिव्य अयोध्या' ऐप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने **पर्यटन** पर केंद्रित एक मोबाइल ऐप 'दिव्य अयोध्या' लॉन्च किया, जिसे **अयोध्या आने वाले भक्तों और पर्यटकों के लिये नेवगिशनल अनुभव को बढ़ाने हेतु डिज़ाइन** किया गया है।

- 'दिव्य अयोध्या' ऐप प्रौद्योगिकी को सांस्कृतिक अनुभवों के साथ जोड़कर और **ग्रामीण परविश में होमस्टे** जैसे विकल्प प्रदान कर, **पर्यटकों को पवित्र शहर से जुड़ने की सुविधा** प्रदान करती है, जो सभी के लिये अधिक उपयोगी तथा समृद्ध अनुभव प्रदान करता है।

मुख्य बंदि:

- यह **ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म** यात्रा कार्यक्रम की योजना बनाने और छपि हुए रत्नों की खोज तथा अयोध्या के सांस्कृतिक वैभव का अनुभव करने तक सभी जरूरतों को पूरा करता है।
 - यह वसितुत वविरण और समय सारणी के साथ **प्रमुख स्थलों, मंदिरों, मठों और ऐतहिसकि स्थलों की खोज** में भी मदद करेगा।
 - ऐप **ई-कारों और ई-बसों को बुक करने, उनके रूट की स्थतिको ट्रैक करने तथा सुवधिजनक बोर्डिंग एवं डीबोर्डिंग** में भी मदद करेगा।
 - होमस्टे, होटल या यहाँ तक कि **कॉटेज सटि के लिये बुककि** भी ऐप से संभव है, जो उपयोगकर्त्ताओं को स्थानीय रूप **स्त्रशकिषति पर्यटक गाइडों** से जोड़ता है।
 - इसके अतरिकित, ऐप सहज दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिये **व्हीलचेयर और गोलफ कार्ट भी बुक किये जा सकते हैं**।
- रपिर्टस के मुताबकि, यूपी सरकार **ग्रामीण परविश में होमस्टे विकल्प प्रदान करने के लिये अयोध्या के बाहरी इलाके में स्थानों की पहचान** कर रही है।
 - अयोध्या आने वाले परिवार खेत में रहने के अनुभव के लिये **दौलतपुर गाँव में एक घर का एक हसिसा करिये पर ले सकते हैं**।
 - इन पहलों का उद्देश्य न केवल **पर्यटन को बढ़ावा देना है बल्कि स्थायी पर्यटन प्रथाओं** को बढ़ावा देते हुए स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देना भी है।
- राज्य सरकार अयोध्या में राम जन्मभूमि और मंदिरों जैसे प्रमुख स्थलों पर जाने वाले पर्यटकों तथा तीर्थयात्रियों हेतु सुविधाएँ बढ़ाने के लिये भी तैयार है। **'धर्म पथ' और 'राम पथ'** पर इलेक्ट्रिक बसों की शुरुआत इन परयासों का हसिसा है, जिसका लक्ष्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान करना है।